सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में अहिंदी भाषी सहकर्मियों के लिए दो दिवसीय व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम का आयोजन

(प्रवीण पत्राचार पाठ्यक्रम)

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में हिंदीतर भाषी सहकर्मियों के लिए राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे प्रवीण पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों के लाभार्थ 14 से 15 मार्च **2016** तक दो-दिवसीय **व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, के सहायक निदेशक श्री वासुदेव सिंह तथा श्री राधेश्याम उपाध्याय संस्थान में आए थे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान करना तथा उन्हें भाषा व व्याकरण संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। जुलाई 2015 से मई 2016 के वर्तमान सत्र में संस्थान के 12 सहकर्मी पंजीकृत हैं। 14 मार्च 2016 को आयोजित आरंभिक-सह-उद्घाटन सत्र में आमंत्रित संकाय सदस्यों व प्रशिक्षार्थियों अतिरिक्त संस्थान के प्रशासन नियंत्रक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य श्री के पी शर्मा भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में संकाय सदस्य श्री राधेश्याम उपाध्याय एवं श्री वासुदेव सिंह के साथ श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक एवं श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी

संस्थान की पीजीआरपीई कक्षा-1 में आयोजित किए गए आरंभिक सत्र में **श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी** ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रशिक्षार्थियों को संकाय सदस्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। सत्र के दौरान सभी प्रशिक्षार्थियों ने भी संकाय सदस्यों को अपना संक्षिप्त परिचय दिया। श्री रमेश बौरा ने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता व महत्व की जानकारी दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रशिक्षार्थी अपने पाठ्यक्रम के संबंध में अपनी सभी शंकाओं का समाधान करेंगे तथा प्रश्न पूछ कर संस्थान में विद्वान विशेषज्ञों की उपस्थिति का लाभ उठाएँगे।

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का दृश्य

अपने आरंभिक संबोधन में **श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक,** के.हिं.प्र.सं., नई दिल्ली ने राजभाषा विभाग तथा उसके संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों की जानकारी दी। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के भाषा शिक्षण पाठ्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त संस्थान ने 'पारंगत' नामक नया पाठ्यक्रम भी शुरू किया है और शीघ्र ही इसका पत्राचार-मॉडयूल भी आरंभ किया जाएगा। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने प्रशिक्षार्थियों का आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की इन योजनाओं से लाभान्वित हों और गंभीरता से प्रशिक्षण पूरा करें। उन्होंने कहा कि कोई भी सीखी हुई चीज़ कभी भी व्यर्थ नहीं जाती।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए **श्री राधेश्याम उपाध्याय, सहायक निदेशक,** के.हिं.प्र.सं., नई दिल्ली ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान आप अधिक से अधिक प्रश्न पूछें और उनके माध्यम से जानकारी प्राप्त करें और अपना ज्ञानवर्द्धन करें। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए हिंदी सीखने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी सीखने-सिखाने का अर्थ यह नहीं है कि हम

अपनी मातृभाषा रूपी पहचान या जड़ों से दूर हो जाएँ। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हम सभी की पहचान है और उससे जुड़ाव जरूरी ही नहीं अनिवार्य भी है।

इस अवसर पर दोनों संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षार्थियों को आश्वासन दिया कि वे इन दो दिनों में प्रशिक्षार्थियों की सभी समस्याओं के निराकरण का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षार्थियों को जानकारी देने के साथ-साथ अभ्यास भी कराएँगे।

कक्षा में अभ्यासरत प्रशिक्षणार्थी

श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक, ने भी आमंत्रित संकाय सदस्यों का स्वागत किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि हिंदी शिक्षण व प्रशिक्षण के संबंध में सरकार की नीति सदा प्रेरणा व प्रोत्साहन की रही है परंतु केंद्र सरकार के सभी सहकर्मियों के लिए हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य है। अत: सभी प्रशिक्षणार्थी इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लें। अध्ययन सामग्री के साथ प्राप्त उत्तर पत्रों को नियमित रूप से केहिप्रसं को भेजने की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि हमारे कार्यों एवं व्यवहार से हमारे परिवार, समाज व संस्थान की प्रतिष्ठा भी जुडी रहती है। अत: हमारा यह दायित्व है कि हम कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे हमारे संस्थान की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचे। उन्होंने कहा कि कुछ भी नया सीखने के लिए इच्छा शक्ति का होना अनिवार्य है, किसी को जबरदस्ती कोई चीज़ नहीं सिखाई जा सकती, संभवत: इसीलिए भारत सरकार ने नकद प्रोत्साहन की व्यवस्था की है।

कक्षा में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते हुए श्री वासुदेव सिंह

आरंभिक सत्र के उपरांत तकनीकी सत्रों में संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी भाषा के व्याकरण के विभिन्न पहलुओं की सरल व सहज विधि से जानकारी देते हुए सामान्यतया की जाने वाली गलतियों पर प्रकाश डाला। विद्वान विशेषज्ञों ने शब्दों के प्रयोग, मुहावरे व लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्यों में प्रयोग, कार्यालयी पत्राचार आदि की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षार्थियों को दी गई अध्ययन सामग्री एवं उत्तर पत्रों/किटों पर चर्चा व अभ्यास कराया। साथ ही आगामी वार्षिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षार्थियों को विगत वर्ष के प्रश्न पत्र का अभ्यास कराया और प्रश्न पत्र के प्रारूप से भी परिचित कराया। दोनों ही दिन अत्यंत गहन सत्रों में श्री सिंह व श्री उपाध्याय ने प्रशिक्षार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया

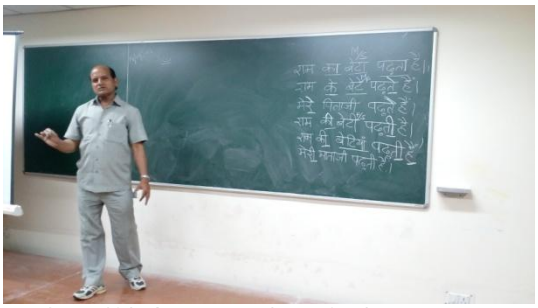

प्रशिक्षणार्थियों को अभ्यास कराते हुए श्री राधेश्याम उपाध्याय

अंतिम(समापन)सत्र में कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी अधिकारी श्री रमेश बौरा ने इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों के लाभार्थ किए गए परिश्रम व प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया तथा आशा व्यक्त की कि उनके द्वारा दी गई जानकारी से सभी प्रशिक्षार्थी लाभान्वित हुए होंगे।

समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए
श्री राधेश्याम उपाध्याय, सहायक निदेशक,के.हिं.प्र.संस्थान, नई दिल्ली

इस सत्र में प्रशिक्षण अधिकारी **श्री राधेश्याम उपाध्याय** ने कहा कि इस दो-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान हमने प्रशिक्षार्थियों द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान करने का प्रयास किया है । अंत में उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के उपरांत आप सभी अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के अतिरिक्त राजभाषा हिंदी में भी कार्य करने में सक्षम होंगे तथा आशा व्यक्त की कि परिश्रम और रुचि से आप अपने हिंदी ज्ञान रूपी इस पौधे को पल्लवित एवं पुष्पित करेंगे।

श्री वासुदेव सिंह ने सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए बधाई दी और कहा कि मेरा गतवर्ष इस कार्यक्रम के लिए आना सार्थक हो

गया। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा था कि आप लोगों को मिल रहे प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण पत्र जैसे मुझे मिल रहे हों । मुझे आपकी सफलता पर बहुत खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि आप इसी प्रकार मेहनत करते रहें। अंत में उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने की शुभकामना दी।

समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए
श्री वासुदेव सिंह, सहायक निदेशक, के.हिं.प्र.संस्थान, नई दिल्ली

श्री उपाध्याय तथा श्री वासुदेव सिंह ने अपने आतिथ्य व अन्य सुविधाओं के लिए संस्थान के निदेशक, प्रशासन नियंत्रक तथा राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण के लिए सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा किए जा रहे गंभीर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण के संबंध में दर्शाई जा रही गंभीरता की भी प्रशंसा की।

संकाय सदस्यों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए
श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक

इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य एवं प्रशासन नियंत्रक श्री के पी शर्मा ने भी संस्थान के सहकर्मियों को प्रशिक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान तथा दोनों अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अतिथियों को संस्थान की ओर से **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी हमारे संस्थान को उनका सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि दोनों संकाय सदस्यों ने अत्यंत सरल व सहज विधि से प्रशिक्षार्थियों की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रशिक्षार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करने में भी सहायक सिद्ध हुआ है। इस अवसर पर श्री के पी शर्मा, प्रशासन नियंत्रक ने प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रशिक्षार्थियों को के.हिं.प्र.संस्थान, नई दिल्ली से प्राप्त प्रमाणपत्र भेंट किए । उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनका अतिथियों का संक्षिप्त पिलानी प्रवास आनंददायक रहा होगा और सभी प्रशिक्षार्थी इस आयोजन से अवश्य लाभान्वित हुए होंगे।

प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए श्री के. पी. शर्मा, प्रशासन नियंत्रक

प्रतिभागियों ने भी कार्यक्रम के संबंध में अपनी प्रतिपुष्टि (फीडबैक) देते हुए विगत दो दिनों में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी और कराए गए अभ्यास के लिए दोनों संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिभागियों ने इस व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सभी प्रकार की व्यवस्था करने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ को भी धन्यवाद दिया ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी

अंत में श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी, ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण व उपयोगी जानकारी देने, प्रश्न पत्र के प्रारूप से परिचित करवाने व तत्संबंधी अभ्यास कराने के लिए केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक तथा संस्थान में पधारे विद्वान विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया। साथ ही, उन्होंने इस आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संस्थान के निदेशक एवं प्रशासन नियंत्रक के प्रति भी आभार व्यक्त किया।